34,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा एयरपोर्ट के जरिए | **एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट** | **2024** सितंबर में पूरा हो जाएगा पहले चरण का काम

बीस साल चली कवायद, 3 साल में उड़ान

झज्जर तो कभी हिसार में हुआ प्रस्तावित, केंद्र में नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के आने से मिली गति

संदीप वर्मा

ग्रेटर नोएडा। नोएडा ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के शिलान्यास की यात्रा 20 वर्ष से भी अधिक है, लेकिन पहली उड़ान भरने में सिर्फ तीन वर्ष का ही समय लगेगा। एशिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट से सितंबर 2024 में पहली उड़ान भरने का दावा किया गया है। जबकि, यहां पहुंचने में एयरपोर्ट को लंबा सफर करना पड़ा है।

वर्ष 2001 में पहली बार तत्कालीन यूपी के मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह ने जेवर क्षेत्र में एक ग्रीनफील्ड ताज इंटरनेशनल और एविएशन हब (टीआईएएच) के रूप में एयरपोर्ट प्रस्तावित किया था। इसके बाद वर्षों तक मामला अटका रहा। केंद्र में भाजपा की सरकार बनने के बाद तेजी आई। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट कभी हिसार तो कभी झज्जर में प्रस्तावित हुआ। 2017 में योगी सरकार आने के बाद इसमें तेजी से कार्य हुआ। अब 2021 में इसका शिलान्यास हो पाया।

केंद्र सरकार ने अप्रैल 2003 में टीआईएएच की स्थापना के लिए तकनीकी और व्यवहारिकता रिपोर्ट को मंजूरी दी थी। इसे वर्ष 2007-2008 तक लगभग 5000 करोड़ की लागत से बनाया जाना था। परियोजना को यूपीए शासन में रोक दिया गया था, क्योंकि परियोजना स्थल दिल्ली में मौजूद ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे से 150 किमी (93 मील) के भीतर था। यह साइट इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) दिल्ली से 72 किमी के भीतर थी। इसके संचालक जीएमआर ग्रुप ने योजना का विरोध करते हुए दावा किया कि यातायात और राजस्व सृजन को प्रभावित करेगा। समस्या का समाधान नरेंद्र मोदी सरकार ने तलाश किया। देश के लिए नई नागरिक उड्डयन नीति पेश की गई। इसके तहत जीएमआर को एक विशेष अधिकार मिला। इससे 150 किमी के दायरे में नया एयरपोर्ट नहीं बनाने की शर्त को खत्म कर दिया गया।

शिलान्यास कार्यक्रम में बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सुनने के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। -रमन राय

एयरपोर्ट के चरण

- 2001 : राजनाथ सिंह की सरकार में पहली बार एयरपोर्ट का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया।
- 2007 : मायावती ने यमुना प्राधिकरण से एयरपोर्ट के लिए 5000 हेक्टेयर जमीन आरक्षित करवाई। केंद्र को भेजा प्रस्ताव
- 2012 : अखिलेश यादव की सरकार में परियोजना को रोकने पर विचार किया।
- 2013 : अखिलेश सरकार ने फिरोजाबाद के कुरिकुपा में शिफ्ट करने का प्रस्ताव दिया।
- 2014 : नवंबर में आगरा के एत्मादपुर के पास जमीन का एलान। 2016 में वायु सेना और रक्षा मंत्रालय ने आपत्ति जताई।
- 2017 : यूपी में योगी आदित्यनाथ सीएम बने और जेवर में एयरपोर्ट बनाने की ठानी।

कुछ इस तरह कार्यक्रम में पहुंचीं महिलाएं।

प्रधानमंत्री को मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री ने प्रतिमा भेंट की।

योगी का गन्ना व जिन्ना के बहाने विपक्ष पर निशाना

ग्रेटर नोएडा। एयरपोर्ट के शिलान्यास कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जेवर में गन्ना और जिन्ना के बहाने विपक्ष पर निशाना साधा। चुनावी बिगुल फूंकते हुए योगी ने सांकेतिक तौर पर बेहतर विकल्प चुनने का आह्वान किया। उन्होंने पहले के दंगों का जिक्र किया और पीएम के मार्गदर्शन में प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर तेजी से अग्रसर होने की बात कही।

योगी ने कहा कि यहां के किसानों ने कभी किसी काल खंड में गन्ने की मिठास को आगे बढ़ाने का प्रयास किया था, लेकिन गन्ने की मिठास को कुछ लोगों ने कड़वाहट में बदलकर दंगों की शृंखला खड़ी की थी। आज देश के अंदर एक नया द्वंद्व बना है कि गन्ने की मिठास को एक नई उड़ान मिलेगी या जिन्ना के अनुयायियों से दंगा कराने की शरारत होगी। उन्होंने नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण के कई पूरे हो चुके और प्रगतिरत प्रोजेक्टों को गिनाया। कहा कि यहां हजारों करोड़ रुपये के विकास के कार्य पिछले साढ़े चार वर्ष में हुए हैं। जिले में मेट्रो लाइन पर 1125 करोड़ व चिल्ला एवं भंगेल एलिवेटेड पर 1067 करोड़ खर्च किए गए। साथ ही, गंगाजल परियोजना, नया सिटी बस टर्मिनल, हैबिटेट सेंटर, शिल्पहाट, ग्रेटर नोएडा में गंगाजल की आपूर्ति, आठ नए सेक्टर का विकास, मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब व ट्रांसपोर्ट हब, यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में फिल्म सिटी समेत कई योजनाएं लागू होने जा रही हैं। इससे रोजगार बढ़ेगा। ब्यूरो

7 हजार किसानों को दिया धन्यवाद

सीएम ने उन सात हजार किसानों को भी धन्यवाद दिया, जेवर के एयरपोर्ट को बनाने के लिए लखनऊ मुख्यमंत्री आवास आकर जमीनें दी। उन्होंने कहा कि हम सब जानते हैं कि 2014 के बाद भारत के नागरिकों ने बदलते हुए भारत को देखा है। एक भारत श्रेष्ठ भारत के सपने को साकार होते देखा है। यह केवल सामान्य दिनों में ही नहीं, बल्कि वैश्विक कोरोना के समय में भी एक-एक नागरिक की रक्षा करते हुए काम किया। पश्चिमी उत्तर प्रदेश को नई ऊंचाई तक पहुंचाने का काम पीएम ने किया है।

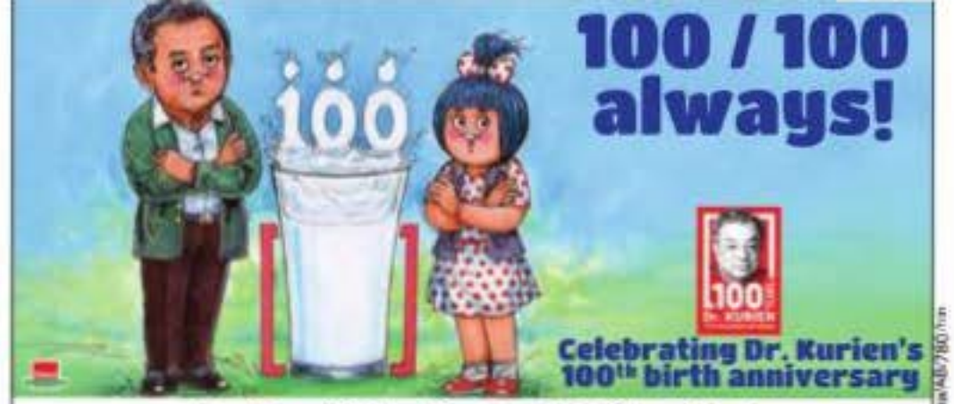

आइये मनायें डॉ. कूरियन का 100वाँ जन्मदिन!

विमानों की मरम्मत से बढ़ेगा विदेशी मुद्रा भंडार

नोएडा। जेवर में इंटरनेशनल एयरपोर्ट शुरू होने के साथ ही मेंटेनेंस, रिपेयरिंग और ओवरहालिंग (एमआरओ) सेंटर की भी शुरुआत की जाएगी। इसके बाद देश ही नहीं, बल्कि विदेश के विमानों की मेंटेनेंस का काम यहां शुरू होगा। इससे विदेशी मुद्रा भंडार भी बढ़ेगा।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश में एविएशन सेक्टर में तेजी से वृद्धि हो रही है। देश-विदेश की बात की जाए तो सैकड़ों कंपनियां नए विमान खरीद रही हैं। देश के 85 फीसदी विमानों के मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहालिंग पर ही प्रति वर्ष करीब 15 हजार करोड़ रुपये खर्च होते हैं। ऐसे में हर साल एक मोटी रकम देश से बाहर चली जाती थी। नोएडा एयरपोर्ट परिसर में 40 एकड़ जमीन पर एमआरओ सेंटर की स्थापना की जाएगी।

पूर्व केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने बताया कि मौजूदा समय में छोटी-मोटी मरम्मत के लिए भारत में सिर्फ एक ही सेंटर है। बड़े कार्य के लिए विमान कंपनियां विदेशी सेंटरों के भरोसे हैं। विमान की मरम्मत करने वाली कंपनियां पूरा भुगतान डालर में लेती हैं। ब्यूरो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जेवर में इंटरनेशनल एयरपोर्ट का मॉडल देखा।

आने वाले वर्षों में यूपी के पास होंगे 20 एयरपोर्ट : नंदी

प्रदेश के नागरिक उड्डयन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने एयरपोर्ट के शिलान्यास के मौके पर कहा कि प्रदेश में आने वाले वर्षों में करीब 20 एयरपोर्ट होंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस एयरपोर्ट से यूपी की 24 करोड़ जनता को फायदा होगा। यूपी के पास आने वाले वर्षों में 20 एयरपोर्ट होंगे। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि यूपी सरकार के साढ़े चार वर्षों के कार्यकाल में बेहतर कार्य हुए हैं। सपा-बसपा काल में नौकरियों के लिए रिश्वत देनी पड़ती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है। योगी सरकार सबका साथ सबका विश्वास के मंत्र के साथ आगे बढ़ रही है।

College Code: (Engineering:133) (Pharmacy : 908) www.niet.co.in
NIET Greater Noida
AN AUTONOMOUS INSTITUTE
1ST AUTONOMOUS PRIVATE INSTITUTE IN UTTAR PRADESH TO GET STATUS BY UGC
NOIDA INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY, GREATER NOIDA
Approved by AICTE, MHRD, Govt. of India, New Delhi & Affiliated to AKTU, Lucknow
Applications are invited for admission against Vacant seats after counselling for the following Courses:
COURSES:
- B.Tech (CSE, IOT, AI, AI&ML, CSBS, DS, CS, IT, ME, ECE, BT)
- B.Tech+M.Tech Integrated (CSE)
- M.Tech|MCA|MBA
- M.Pharm|B.Pharm
- Lateral Entry Admission for 2nd Year B.Tech & B.Pharm
Admission will be processed as per the guidelines of UPCET/AKTU, Lucknow
Last date of Admission :30-11-2021
How to Apply: The online form for Registration can be filled on website www.niet.co.in or can be filled in college campus
CALL NOW 8010500700 | 8448384601/11
Campus Visit: 19, Knowledge Park-II, Institutional Area, Greater Noida (U.P.) 201306, E-mail : admission@niet.co.in